



१८१ नमः ४ गुणिकाये ॥ नमो सुते महाकोमात्रिकाये ॥ सूर्याद्यं ॥ यूपराजत ॥
७ नमस्तुते ॥ नुं ऊ यद्वा सनादि न्यास ॥ जलयागयुजा ॥ अर्घ्यागयुजा ॥
हृत्तुष्टि ॥ आत्मयुजा ॥ मालिनीय १० ॥ ७ ॥ यैववलि ॥ यावक ॥ श्रीसर्वकर्ता ॥
नुं ऊ नततम तुल्यी आदिदवयादुका ॥ वलि ॥ नुं ऊ नतना सनयादुका ॥ नुं ऊ
की की ॥ नुं ऊ नतना सनयादुका ॥ यूपराजतुल्यीयादुका ॥ यूपराजतुल्यीयादुका ॥
की ॥ नुं ऊ नतना सनयादुका ॥ यूपराजतुल्यीयादुका ॥ यूपराजतुल्यीयादुका ॥
की ॥ नुं ऊ नतना सनयादुका ॥ यूपराजतुल्यीयादुका ॥ यूपराजतुल्यीयादुका ॥
की ॥ नुं ऊ नतना सनयादुका ॥ यूपराजतुल्यीयादुका ॥ यूपराजतुल्यीयादुका ॥

वलि ॥ दद्यावाम ॥ आवाहनादि ॥ दधु गङ्गाती गङ्गा मूर्ध्नि यदल यत् ॥ ततो दद्याद्
नुं ऊ नतना सनयादुका ॥ नुं ऊ नतना सनयादुका ॥ नुं ऊ नतना सनयादुका ॥
यैववलि ॥ यावक ॥ श्रीसर्वकर्ता ॥ यावक ॥ श्रीसर्वकर्ता ॥ यावक ॥ श्रीसर्वकर्ता ॥
नुं ऊ नतना सनयादुका ॥ नुं ऊ नतना सनयादुका ॥ नुं ऊ नतना सनयादुका ॥
की ॥ नुं ऊ नतना सनयादुका ॥ यूपराजतुल्यीयादुका ॥ यूपराजतुल्यीयादुका ॥
की ॥ नुं ऊ नतना सनयादुका ॥ यूपराजतुल्यीयादुका ॥ यूपराजतुल्यीयादुका ॥
की ॥ नुं ऊ नतना सनयादुका ॥ यूपराजतुल्यीयादुका ॥ यूपराजतुल्यीयादुका ॥
की ॥ नुं ऊ नतना सनयादुका ॥ यूपराजतुल्यीयादुका ॥ यूपराजतुल्यीयादुका ॥

[illegible][illegible]



१ मातुः स्त्री त्वद्विदितुं नूतनविति हस्तेन फलस्य स वरं तच्छास्त्रं यथं
 मातं यजनवलिजया नूतनमयविहीनं वेसगा विद्वमाणा कनयद्वयदि
 ता वाक् स सुदृष्टिदामं सुतं सखा गलीलयनतकवृणया देवी माता ४
 क मस्तु ॥

गमयता। कोमलीयनमागकी मयूववनवाहिनी नकयूथनतादवी नकगंधानूतं व
 नी प्रकीयलानसंयुक्ता नकमासावसाधियो न कालायुनी मलाकर्ण वटवृक्ष
 निवासिनी। याम्यामी ० ह्निगानिधि सर्वसोख्यदायिनी ॥ सर्वगुणविनागमर्थ कोमानी
 वनमोसुत ॥ कोमानी निविवाहनयूकगलागकि हृता सुन्दरी सादवी सनसीन
 देवता सर्वपुजिता सर्वदा सावासावग वलुनी गुणगले ० सोता प्रसिद्धिकनी
 गीदवी ० मगरीनमामि। लनसादा विददुःखमिदा ॥ सिद्धनसा चूज सदगद्युतिमा
 वदता दिशुयुकाण धर्मिणा ० दिदक्षना। आयुनिका मनसना मित्रवालनूपी

कामाविका सुवसु (मेषुतमंगलाय ॥ महामयुवमावृत्ता कोमावीः गच्छिन्वियीः ॥
 जवाकसु मसिकाणां जवाठिमीकुसुमायता । नकावसु यनीधाना मेषु मालावले
 विती । जां कावीः माह नदीधवीः जां लीं कोमानिकगुनी । जगन्मातृगुनीयवी बजाम्ना
 यव्यनूजमा ॥ हेसीपूर्वाधिकावीव दक्षिणवति (गुनी ॥ यक्षि मयूक जाधवी रा
 सातोखा चउकेव । हाठकवजमा (वि उद्धकवस्वगुनी ॥ त्वमगुनीयजाम्नाय
 विदवीजननीयमा । जेलाकजतनीयवी जगत्सीहानकाविनी । सर्वसाधनगीदसी
 सर्वयाय कर्त्यकनी ॥ सर्वविद्युगमती कोमा नीचतमास्तुत ॥ बजाम्नायकोमा नीध

जा ॥ ॥ हेसीपूर्वाधिका नीधुवगवतिता कालनापीरवाती जेवनीकुक्षि कोखा
 नचेतवकाधियामिद्विलम्बीयवाणी ॥ हासानाख्यायनाख्यातिरुवतजननीनाजनजगुनी
 त्वमकासातकनूयातिरुवतजननीतीमिदविकुमानी ॥ नकासिद्धनव (पुत्यादि । मयूय
 कृष्णदृष्टत्यादि ॥ पुंवपुष्टजावपुष्टका चानूय्यापिलीचना ॥ सिद्धनवागिसदृग्म
 बालामूकादृहामिनी ॥ सुवपुष्टरुवजयता मूकयगिदह्विता ॥ वासुकीर्णखयो
 लक्षिकर्षुकुल्लुखिता ॥ खड्गविशूलजम्बू कयालमालिनीयिया ॥ आधवगकि
 मानत्यथावत्सीहामुमक्तिता ॥ मयूयासनमावृत्ता बालककोटिराविरा ॥ वपुष्टजा
 कालीच कर्णकिधनीवना ॥ वीमइत्या कयालीच सर्वलीकानरुविता ॥ यङ्ग

याज्ञादिकर्मसु अतिक्रियकनातिव ॥ मोह नैर्त्तरुर्नैव व दया द्वादनमावले ॥ गगुना
 जयवृद्धि लक्ष्मीसाधनायक ॥ चवर्गयुजयद्वी ॥ विठ्ठल नरसि मूर्ति ॥ ध्यानसुख
 ॥ ॥ चालावृत्तासुवर्दकलघिदिगिगार्धानयूकैचतुर्वी नैवृत्ति गृहकार्ययुक्त
 जदत्तमनाग्रित कर्तुनैव ॥ ~~तथातथा~~ सु गृहगतद्वयविगिरिखेकापूर
 मातानूतनी कोमानीवालनूवीयनमयवमदायातुवा मंगलाख्या ॥ ॥ कोमानी
 कूलसासनरगवती वृद्धववालागुम ॥ वकावकविचिक्चि सनूगणीयद्वना
 यमा ॥ यद्रुयादु समस्तकर्मविषयया वाधिता सर्वदा तदिदवी सतर्तिनामिगिन
 साधुक्रियुदीमा कदी ॥ ॥ चवर्गवैकुण्ठयूकै जनार्दनवनवम्बु वी ॥

मायालक्ष्मीसमायूकै कोमानीनामयादुका ॥ आश्रयययवर्ग मनुसिद्धिप्रदायकै
 ॥ जेलाप्रतिदिष्टि सर्वकर्मसु उकनी ॥ अष्टकैरुगनार्थवटुक कूलसूदिद्ववा
 मंगलार्गम (ध) कोमानीका विउदयवविषयमाग कि सुसि कार्य ॥ कौर्धकालियिता
 कीयूननविषउगीवद्विवालीगभूद्या याद्वी चद्वेवामीयुगमातसार्तिगमनिपू
 षियदाणी ॥ अकिर्जिकुमानीयादि ॥ खकाणीयादि ॥ सर्वमंगलमंगिलयादि ॥
 ॥ विति ॥ अन्यगुगवले ॥ कर्ममनसावावा त्वातानागुगतिर्मम ॥ मनुदी
 नक्रियाहीनैरुकिहीनैरथेव ॥ कयहामावर्तव वलिचेवतथयून ॥ गत्यव
 कस्यागिद्वि मया कान्ततयकृती ॥ गमकीरुहलेददि दयाद्वयोनसा

मर्द॥ अथानयनानां॥ अग्निरध्यादि॥ ॥ पूजावाविष्णुमा॥ पूद
मासनादिरुद्राद्य॥ यद्वायवीतयूष्यध्रुवद॥ अग्निरध्यादि॥ अन्नसंयुक्त्या॥
॥ दक्षिणदवर्ग॥ दवाणीवदि॥ समयांकयाय॥ ॥ अग्निध्वज॥ चतुर्णा
दि सिद्धिमासनिसे गुणयूष्यहलाणीवदि॥ दवस्तुनि॥ लिथेथवी॥ अ
वष्टुवादि॥ मय॥ ॥ दीयदाहानयर्ग॥ ३॥ ५४ अस्तु मरुदु॥ ५५

द्वितीयः ॥ श्रीरामलीला ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

三

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय